Ayateshifa.in

Dua e Meraj

दुआ–ए–मेअ्राज

हज़रत अली अलै0 हज़रत रसूले खुदा सल0 से रवायत करते हैं कि आपने फ़रमाया कि जब मैं मेअ्राज पर गया तो 70 हज़ार पर्दों में से गुज़रा और हर एक पर्दे के बीच पूरब व पश्चिम जितना फ़ासिला था। जब हिजाबे कुदरत के पास पहुँचा, उसके ऊपर ये दुआए नूरानी लिखी थी, उस वक़्त मुझको ये कहा गया या मुहम्मद सल0 ये दुआ अपनी उम्मत के मोमिनों के अलावा किसी और तालीम न करना, क्योंकि जो इस दुआ के वास्ते से दुआ करे तो उसके लिए आसमान के दरवाज़े खुल जायेंगे। अल्लाह उसके ऊपर रहमत की नज़र करेगा, मुसीबत को दूर करेगा, उसके क़र्ज़ को अदा करेगा,

गुनाह माफ़ करेगा, नबियों और सिद्दीक़ों की शिफ़ाअत करेगा और बहिश्त के याकूत का एक हज़ार महल उसके लिए बनाएगा और हमेशा उसके ऊपर 360 वक़्त नज़र करेगा। फ़रिश्ते की आवाज़ आएगी तेरे माँ–बाप और पड़ोसियों को बख़्श दिया गया और गुनाहों के बदले नेकियाँ लिख दी गईं और तुझको 70 हज़ार बरस की इबादत का सवाब दिया और तेरे लिए दीन व दुनिया की नेकी है।

ये दुआ कस्तूरी से लिखकर बीमार को पिलाए तो बीमारी दूर होगी, ये दुआ अपने पास रखे तो शैतान के फ़रेब से और लोगों के ज़ुल्म से बचेगा और चोरों से हिफ़ाज़त में रहेगा, बच्चे के गले में डाले तो बिच्छू, साँप और तमाम तकलीफ़ देने वाले जानवरों से हिफ़ाज़त में रहेगा और कोई चीज़ भूलेगा नहीं। इस दुआ के वास्ते से दुआ करे तो खुदा उसके काम को आसान करदेगा। ये दुआ घर में रखे तो उसके घर वाले को अल्लाह बहुत रोज़ी देगा और घर को तमाम बलाओं से महफ़ूज़ रखेगा। आपने फ़रमाया कि खुदा की क़सम है कि तमाम जिन्नात

व इंसान सब मिलकर जमा हो जायें और दुनिया के शुरूआत से क़यामत तक इस दुआ का सवाब लिखें तो भी नहीं लिख सकते। ये दुआ खुदा को बहुत पसन्द है इसलिए इसको वसीला बनाओ और उम्मत में जो नेक हों उनको तालीम करो, ये दुआ जन्नत के ख़ज़ानों में से एक ख़ज़ाना है।

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अल्लाहुम–म इन्नी असअलु–क या मन अक़र–र लहू बिल–उबूदीयति कुल्लु मअ्बूद। या मंय्यह–म–द–हू कुल्लु महमूद। या मंय्यफ़–ज़ उ इलैहि कुल्लु मजहूद। या मंय्यत–लबु इन्दहू कुल्लु मफ़्कूद। या मन साइ–लहू ग़ैरु मरदूद। या मन बाबुहु अन सुवालिही ग़ैरु मस्दूद। या मन हु–व ग़ैरु मौसूफ़िंव वला मअ्दूद। या मन अताउहू ग़ैरु मम्नूइंव वला मन्कूद। या मन हु–व लिमन दआहु लै–स बि–बईदिन व हु–व नेअ्मल मक़्सूद। या मन रजा–उ इबादिही बि–हबलिही मश्दूद। या मन शिब–हहू व मिस्लुहू ग़ैरु मौजूद। या मन लै–स बि–वालिदिंव वला मौलूद। या मन हौजु बिर्रिही लिल–अनामि मौरूद।

यामल्ला यूसिफु बि–क़ियामिंव वला कुऊद। या मल्ला तज्री अलैहि ह–र–कतुंव व जुमूद। या अल्लाहु, या रहमानु, या रहीमु, या वदूदु, या राहि–मश्शैख़िल कबीरि यअ्कूब। या ग़ाफ़ि–र ज़म्बि दाऊद। या मल्ला युख़लिफुल वअ्–दु व यअ्फु अनिल मौऊद। या मर्रिज़्कुहू व सित्तुहू लिलआसी–न मम्दूद। या मन हु–व मल–जउ कुल्लि मुक़सम मतरूद। या मन दा–न लहू जमी–उ ख़ल–क़िही बिस्सुजूद। या मल्लै–स अन्नैलिही वजूदिही अ–ह–दुम्मस्दूद। या मल्ला यहीफु फ़ी हुकमिही व यह्लुमु अनिज़्ज़ालिमिल उनूद। इरहम उबैदन ख़ातिअल्लम यूफ़ि बिल–उहूद। इन–न–क फ़अ्–आलुल्लिमा तुरीद। या बर्रू, या वुदूदु स्वल्लि अला मुहम्मदिन ख़ैरि मबऊसिन दआ इला ख़ैरिन मअ्बूद। व अला आलिहित्तय्यिबीनत्ताहिरी–न अह्लिल क–र–मि वलजूद। वफ़अल बिना मा अन–त अह्लुहू या अर–हमर्राहिमीन। या अक–रमल अक–रमीन।

Ayateshifa.in

दुआ ए मेराज